

दवाग्निस स्त्री. (तत्.) दे. दवाग्नि।

दवाग्नि स्त्री. (तत्.) दावानल वन में लगने वाली आग।

दवात स्त्री. (अर.) लिखने की स्याही का पात्र, मसि पात्र पुं. (फा.) औषध, दवाई।

दवानल पुं. (तत्.) दवाग्नि।

दवाम क्रि.वि. (अर.) हमेशा, सदा, नियम।

दवामी वि. (अर.) स्थायी चिरकालिक जैसे- दवामी बंदोबस्त- जमीन का वह स्थायी बंदोबस्त जिससे मालगुजारी नियत कर दी जाए।

दवार पुं. (तद्.) दे. द्वार।

दवारि स्त्री. (तद्.) वनाग्नि, दावानल।

दवार्गन स्त्री. (तद्.) दे. दवाग्नि।

दश वि. (तत्.) दस प्रयो. दशकुमार चरित।

दशकंठ पुं. (तत्.) रावण, दस सिरों वाला।

दशकंठारि पुं. (तत्.) दशकंठ (रावण) के शत्रु-श्री रामचंद्र।

दशकंध पुं. (तद्.) रावण, दस कंधों वाला।

दशकंधार पुं. (तत्.) रावण।

दशक पुं. (तत्.) दस का समाहार, दस की ढेरी 2. दस वर्षों का समय।

दशकर्म पुं. (तद्.) गर्भाधान से लेकर विवाह तक के दस संस्कार, गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, निष्क्रमण, नामकरण, अन्नप्राशन, चूड़ाकरण, उपनयन और विवाह।

दशकुमार चरित पुं. (तत्.) संस्कृत के कवि दंडी का लिखा हुआ एक गद्य काव्य का नाम।

दशग्राम पुं. (तत्.) दस ग्राम का वजन।

दशति स्त्री. (तत्.) सौ, शत।

दशद्वार पुं. (तत्.) शरीर के दस द्वार- दो कान, दो आँखें, दो नाक, एक मुख, एक गुदा, एक लिंग और एक ब्रह्मांड।

दश धर्म पुं. (तत्.) मनु स्मृति में वर्णित धर्म के दस लक्षण जो मानवों के लिए अनुकरणीय हैं।

दशधा वि. (तत्.) 1. दस प्रकार का 2. दसवाँ, दशम।

दशन पुं. (तत्.) 1. दाँत 2. दाँतों से काटने की क्रिया 3. कवच 4. चोटी, शिखर।

दशनांशु पुं. (तत्.) दाँतों की चमक।

दशनाढ्य स्त्री. (तत्.) लोनिया शाक।

दशनामी पुं. (देश.) संन्यासियों का एक वर्ग जो शंकराचार्य की शिष्य परंपरा के अंतर्गत आते हैं।

दशनोच्छिष्ट पुं. (तत्.) 1. होंठों आदि का चुंबन 2. निश्वास, होंठ।

दशबाहु पुं. (तत्.) पंचमुख, शिव, महादेव।

दशभुजा स्त्री. (तत्.) दुर्गा का एक नाम।

दशमांश पुं. (तत्.) दसवाँ भाग, हिस्सा।

दशम वि. (तत्.) दसवाँ।

दशमिक प्रणाली स्त्री. (तत्.) दशमलव प्रणाली।

दशमिक भग्नांश पुं. (तत्.) दशमलव।

दशमिन वि. (तत्.) लगभग सौ की अवस्था 2. बहुत बूढ़ा।

दशमी पुं. (तत्.) 1. किसी पक्ष की दसवीं तिथि 2. अंतिम अवस्था नब्बे वर्ष से अधिक की अवस्था वि. (तद्.) बहुत बूढ़ा 2. बहुत पुराना।

दशमुख पुं. (तत्.) 1. रावण (तद्.) दसों दिशाएँ 2. त्रिदेव।

दशमुखांतक पुं. (तत्.) ब्रह्मा, विष्णु, महेश के दस मुख।

दशमूत्रक पुं. (तत्.) दस जीवों का मूत्र जो वैद्यक में काम आता है ये जीव हैं- हाथी, भैंस, ऊँट, गाय, बकरा, मेढ़ा, घोड़ा, गधा, पुरुष और स्त्री।

दशमूल पुं. (तत्.) दस पेड़ों की छाल या जड़ जो दवा के काम आती है।